

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर
समक्ष : एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 2244/दो/2014 विरुद्ध आदेश
28-5-2012 - पारित - द्वारा - अपर कलेक्टर, जिला
अशोकनगर - प्रकरण क्रमांक 01/2010-11 निगरानी

भैयालाल पुत्र सिरनाम सिंह यादव
ग्राम ढेंकन तहसील मुंगावली
जिला अशोकनगर मध्य प्रदेश
विरुद्ध

---आवेदक

बनवीर सिंह पुत्र सरदार सिंह यादव
ग्राम ढेंकन तहसील मुंगावली
जिला अशोकनगर मध्य प्रदेश

---अनावेदक

(आवेदक के अभिभाषक श्री आर०एस०गौड़)
(अनावेदक के अभिभाषक श्री मुकेश भार्गव)

आ दे श

(आज दिनांक 2 - 5 - 2016 को पारित)

अपर कलेक्टर, जिला अशोकनगर के प्रकरण क्रमांक
01/2010-11 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 28-5-12 के
विरुद्ध यह निगरानी म०प्र० भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50
के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

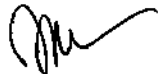
2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि आवेदक ने अपर तहसलीदार
मुंगावली के समक्ष मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा
109, 110 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत कर मांग की कि ग्राम
ढेंकन स्थित भूमि कुल किता 7 कुल रकबा 21.457 हैक्टर में से
1.950 हैक्टर (आगे जिसे वादग्रस्त भूमि सम्बोधित किया गया है)



के पिता सरदार सिंह ने विक्रयपत्र पत्र संपादित कर मौके पर कब्जा सौंप दिया था, तभी से इस भूमि पर वह खेती करके आजीविका चला रहा है। रजिस्ट्री की कापी हलका पटवारी को देकर नामान्तरण की मांग की थी एवं पटवारी ने उसे बता दिया था कि नामान्तरण कर दिया है। इसी बीच विक्रेता का स्वर्गवास हो गया, जिनके बंधु वारिस अनावेदक ने साजिसन अपना नामान्तरण करा लिया तथा इसीके साथ अनावेदक की बहिन मेवावाई, बटनवाई, वाईसाहब पुत्रियों सरदार सिंह का नाम भी दर्ज हो गया है जब खसरे की नकलें निकलवाई तब उसे जानकारी हुई कि पटवारी ने उसका नाम इन्द्राज नहीं किया है इसलिये क्रय किये गये रकबे पर नाम इन्द्राज किया जाय। नायव तहसीलदार मुंगावली ने प्रकरण क्रमांक 47 अ 6/10-11 पंजीबद्ध किया तथा सुनवाई के दौरान अनावेदक ने आपत्ति प्रस्तुत की कि मृतक भूमिस्वामी के स्थान पर उसके वारिसान का नामांतरण हो चुका है इसलिये आवेदक का आवेदन निरस्त किया जाय। नायव तहसीलदार ने हितबद्ध पक्षकारों को श्रवणकर अंतरिम आदेश दिनांक 30-7-11 पारित किया तथा विक्रय पत्र के आधार पर नामान्तरण प्रकरण प्रचलन योग्य होना माना। इस आदेश के विरुद्ध अपर कलेक्टर अशोकनगर के समक्ष निगरानी होने पर प्रकरण क्रमांक 01/2010-11 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 28-5-12 से निगरानी स्वीकार कर नायव तहसीलदार का आदेश दिनांक 30-7-11 निरस्त किया गया। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

3/ निगरानी मेमो में उठाए गए बिन्दुओं पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का

4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं



अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से पाया गया कि आवेदक ने नायब तहसीलदार के समक्ष मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के अंतर्गत प्रस्तुत दावे में निम्नानुसार अनावेदक अंकित किये हैं :-

1- बनवीर सिंह पुत्र सरदार सिंह यादव

2- म0प्र0शासन द्वारा पटवारी ग्राम

मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के अंतर्गत प्रस्तुत दावे में आवेदक ने पद - 1 में इस प्रकार अंकन किया है :-

“ पटवारी मौजा के आश्वासन पर तुम्हारा इन्द्राज कर दिया है प्रार्थी निश्चिन्त होकर अपनी कास्त करता रहा परन्तु उसी बीच विकेता सरदार सिंह का स्वर्गवास हो गया जिनके बैध वारिस में मात्र एक पुत्र बलवीर सिंह है जिसे नाम पर उक्त भूमि राजस्व अभिलेख में वारिसान की हैसियत से दर्ज है उसके साथ उसकी बहिन मेवावाई, बटनवाई, वाईसाहव पुत्रियां सरदार सिंह के नाम भी दर्ज है ”।

परन्तु दावे में सरदार सिंह की पुत्रियाँ, जो रिकार्डेड भूमिस्वामिनी हैं, मेवावाई, बटनवाई, वाईसाहव को पक्षकार नहीं बनाया है जिसके कारण दावे में पक्षकारों का असंयोजन होने से मूल दावा प्रचलन योग्य एवं ग्राह्य योग्य ही नहीं है।

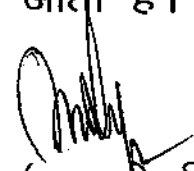
5/ जहाँ तक जहाँ तक विक्रय पत्र पर से नामान्तरण का प्रश्न है ? विक्रय पत्र दिनांक 21-2-1980 को संपादित हुआ है जबकि इसी विक्रय पत्र पर से नामान्तरण की मांग आवेदन दिनांक 9-5-11 से अर्थात् 31 वर्ष वाद की गई है। इस सम्बन्ध में अपर कलेक्टर अशोकनगर द्वारा आदेश दिनांक 28-5-121 के पद



तीन में निकाला गया निष्कर्ष उचित है जिसके कारण विचाराधीन निगरानी में अपर कलेक्टर, जिला अशोकनगर द्वारा प्रकरण क्रमांक 01/2010-11 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 28-5-12 में निकाले गये निष्कर्षों में हस्तक्षेप की गुंजायश नहीं है।

6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन होने से निरस्त की जाती है एवं अपर कलेक्टर, जिला अशोकनगर द्वारा प्रकरण क्रमांक 01/2010-11 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 28-5-12 उचित पाये जाने से यथावत् रखा जाता है।

h
/



(एम0के0सिंह).

सदस्य

राजस्व मण्डल,
म0प्र0ग्वालियर